छत्तीसगढ़ में 56वाँ टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य **को आधिकारिक तौर पर देश का 56वाँ** टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व:**
  - गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व **छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर और बलरामपुर ज़िलों तक विस्तृत है।**
  - कुल क्षेत्रफल **2,829.38 वर्ग किमी. है**, जिसमें मुख्य बाघ पर्यावास 2,049.2 वर्ग किमी. और बफर ज़ोन 780.15 वर्ग किमी. है।
  - यह आंध्र प्रदेश में नागार्जुनसागर-श्रीशैलम और असम में मानस के बाद **भारत का तीसरा सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य है।**
- **संरक्षण और कनेक्टिविटी:**
  - यह मध्य प्रदेश के संजय दुबरी टाइगर रिज़र्व के साथ मिलकर लगभग 4,500 वर्ग किलोमीटर का भूदृश्य परिसर बनाता है।
  - यह पश्चिम में बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व, मध्य प्रदेश और पूर्व में पलामू टाइगर रिज़र्व, झारखंड **से जुड़ा हुआ है।**
- **पारिस्थितिकी एवं जीव विविधता:**
  - छोटा नागपुर पठार **और आंशिक रूप से बघेलखंड पठार में** स्थित इस रिज़र्व में विविध भूभाग, घने वन, जलधाराएँ और नदियाँ हैं, जो बाघों के लिये महत्त्वपूर्ण पर्यावास उपलब्ध कराते हैं।
- **भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने 753 प्रजातियों का दस्तावेज़ीकरण किया:**
  - 365 अकशेरुकी (मुख्यतः कीट)।
  - 388 कशेरुकी, जिनमें 230 पक्षी प्रजातियाँ और 55 स्तनपायी प्रजातियाँ शामिल हैं, जिनमें से कई संकटग्रस्त हैं।
- छत्तीसगढ़ में अब **चार बाघ रिज़र्व हैं, जिससे** राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) प्रोजेक्ट टाइगर **पहल** के तहत बाघ संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा मिला है।

//

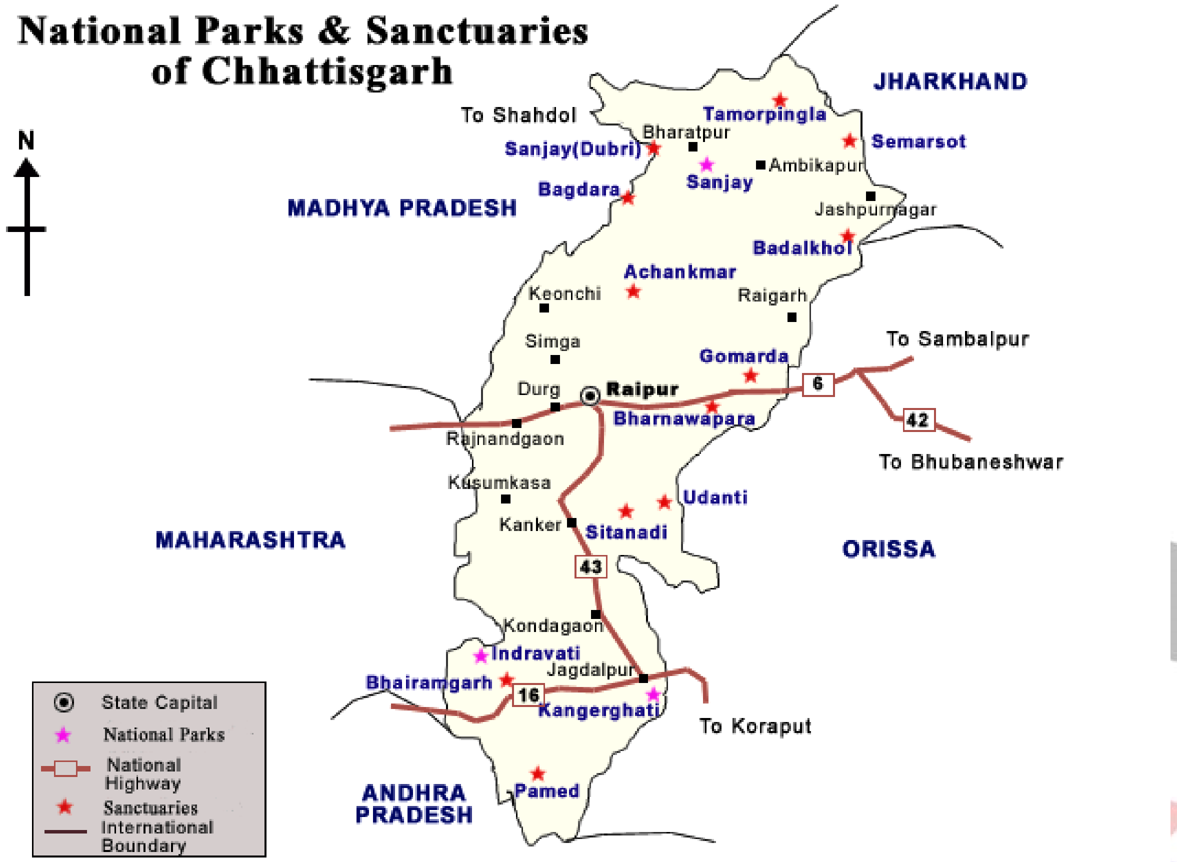

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/56-th-tiger-reserve-in-chhattisgarh